https://www.upboardonline.com/

पाली

कक्षा–11

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

1-गद्य

(क) महापरिनिब्बान सुत्त (तृतीय भाणवार)

(ख) पालि प्रवेशिका (पा0 17 से 18)

2-पद्य-

(क) धम्मपद (वग्ग 20 से 22)

(ख) चरिया पिटक (महागोविन्दचरिया)

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

पाली

कक्षा-11

इस विषय में 100 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र 3 घण्टे का होगा।

1-गद्य-(क) महापरिनिब्बान सुत्त (प्रथम तथा द्वितीय भाणवार) 15+15=30

(ख) पालि प्रवेशिका (पाठ 13 से 16)

2-पद्य-(क) धम्मपद (वग्ग 15 से 19) 15+15=30

(ख) चरियापिटक (01 से 04 चर्यायें)

3-व्याकरण, निबन्ध तथा अनुवाद 10+10+10=30

(1) व्याकरण--

(क) शब्द रूप--निम्नांकित संज्ञाओं तथा उनके अनुरूप अन्य शब्दों के रूप 10 अंक

[1] पुल्लिंग--बुद्ध

[2] स्त्रीलिंग--लता, रत्ति

[3] नपुंसकलिंग--फल

(ख) धातु रूप--वर्तमान, भूत तथा अनागत काल में निम्नलिखित धातुओं के रूप-

भू, हस, पठ, गम, वद, रक्ख, पच, नम, दिस, बुध, रूच, सक, लिख, भुज, चुर, चित्त।

(ग) सन्धियाँ--निम्नलिखित सूत्रों पर आधारित होंगी, परन्तु सूत्रों को कंठस्थ करना आवश्यक नहीं है।

[क] स्वर सन्धि--(1) सरो लोपो सरे (2) परो क्वचि (3) न व्दे वा (4) ए ओ नं

[ख] व्यंजन सन्धि--(1) व्यंजने दीघरस्सा।

[ग] निग्गहीतं सन्धि--(1) निग्गहीतं।

(घ) समास--निम्नलिखित समासों की सामान्य परिभाषा तथा उदाहरण :

[1] तत्पुरुष [2] कर्मधारय समास।

(2) निबन्ध--पालि भाषा में संक्षिप्त निबन्ध सरल सात वाक्यों में 10 अंक

इसिपतन, सिद्धत्थकुमारो, लुम्बिनी।

(3) अनुवाद--हिन्दी वाक्यों का पालि में रूपान्तर (अनुवाद का उद्देश्य छात्र/छात्राओं को पालि भाषा में वाक्य रचना एवं पालि भाषा का संगठन/पद्धति से परिचित कराना है)। 10 अंक

नोट :--अनुवाद के लिये कोई पाठ्य-पुस्तक निर्धारित नहीं है।

(4) **पालि साहित्य का इतिहास** (सुत्तपिटक, प्रथम बोद्ध संगीत का सामान्य परिचय) 10 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें

(1) महापरिनिब्बान सुत्तं, सम्पादक- भिद्धु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड, कबीर चौरा, वाराणसीं

(2) पालि प्रवेशिका, संकलनकर्ता- डॉ0 कोमलचन्द्र जैन, तारा पब्लिकेशन, वाराणसी।

(3) धम्मपद, सम्पादक-भिक्षुरक्षित, प्रकारशक महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी।

(4) चरियापिटक, अनुवादक- भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक मास्टर खेलाड़ीलाल संकटा प्रसाद, वाराणसी।

(5) पालि व्याकरण, लेखक- भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड कबीर चौरा, वाराणसी।

(6) पालि महाव्याकरण, लेखक-भिक्षु जगदीश कश्यप, प्रकाशक महाबोधि सोसायटी सारनाथ, वाराणसी।

(7) पालि साहित्य का इतिहास, लेखक– भिक्षु धर्मरक्षित, प्रकाशक ज्ञान मण्डल लिमिटेड कबीर चौरा, वाराणसी।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021

https://www.upboardonline.com/

(8) मैनुअल ऑफ पालि, लेखक–सी0एस0 जोशी, प्रकाशक ओरियन्टल बुक एजेन्सी, पूना।

Downloaded From official website on dt 12-Nov-2021